CYCLONE AMPHAN UPDATE AND AGROADVISORY FOR JUTE FARMERS

पटसन कृषकों के लिए "अमफ़ून" चक्रवात पर अपडेट और संबन्धित कृषि परामर्श

আমফান নামক ঘূর্ণিঝড় বিষয়ে সাম্প্রতিক তথ্য ও পাট চাষিদের জন্য এই পরিস্থিতিতে কৃষি পরামর্শ

भा.कृ.अ.प. -केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान

ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers

An ISO 9001: 2015 Certified Institute

Barrackpore, Kolkata-700120, West Bengal

www.crijaf.org.in

Cyclone Amphan update and Agro-advisory for jute farmers

- According to IMD, Government of India (https://mausam.imd.gov.in/), cyclone Amphan is very likely to cross West Bengal–Bangladesh coasts between Sagar Islands (West Bengal) and Hatiya Islands (Bangladesh) during afternoon/evening (2:30 PM to 5:30 PM) of May 20 as a very severe cyclonic storm (155-165 kmph wind speed).
- This cyclone will affect mainly two jute growing sates of West Bengal, Odisha and Assam. In Odisha, the most likely affected districts are Gajapati, Ganjam, Puri, Khurda, Jajpur, Nayagarh, Balasore, Bhadrak, Kendrapara, Jagatsinghpur, Mayurbhanj and Cuttack. Coastal Odisha is likely to have light to moderate rainfall at many places and heavy rainfall at isolated places from May 18. Rains will continue till May 20. Squally wind speed is likely along and off South Odisha extending to North Odisha from May 18 to 20.
- According to IMD, in West Bengal, the most likely affected districts are North 24-Parganas, South 24-Parganas, Kolkata, East and West Midnapore, Howrah and Hooghly. These coastal districts of Gangetic West Bengal will experience heavy to very heavy rain on May 19 and 20. Wind speed may go up to 155 kmph along and off West Bengal coast. The state of Assam also likely to receive very heavy rainfall till 20th May due to this cyclone.
- Depending on sowing time, jute crop age may be varied from 10-60 days. Heavy rainfall due to Cyclone Amphan will create waterlogging condition in jute field. Remove stagnated water from field immediately creating field ditches (20 cm wide and 20 cm depth) along the gradient at 10 m intervals.
- To protect jute crop (>4 ft tall) from lodging due high wind speed of the cyclone, the peripheral jute plants (round the field) need to be tied together by taking 4-5 jute plants in a consecutive manner. It will also protect the plant inside the field from the effect of wind.
- Farmers are advised not to go for field work in the afternoon on 19-20th May and follow weather news in TV/Radio and other media for latest update for the Cyclone Amphan.

Source: IMD (https://mausam.imd.gov.in/)

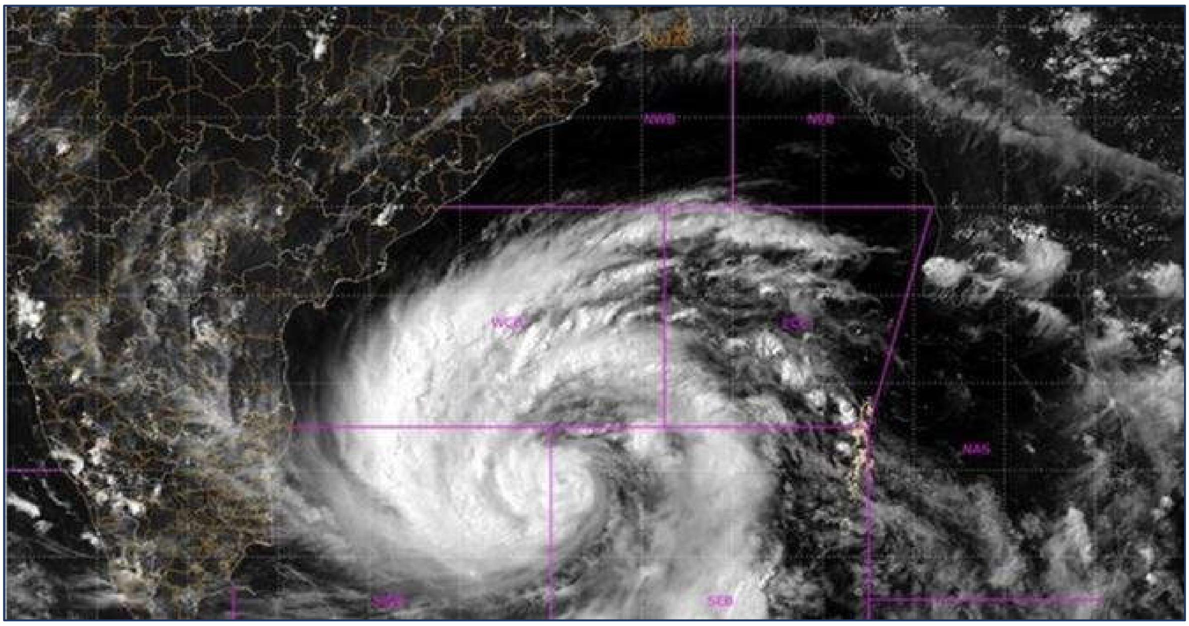

Source: IMD (https://mausam.imd.gov.in/)

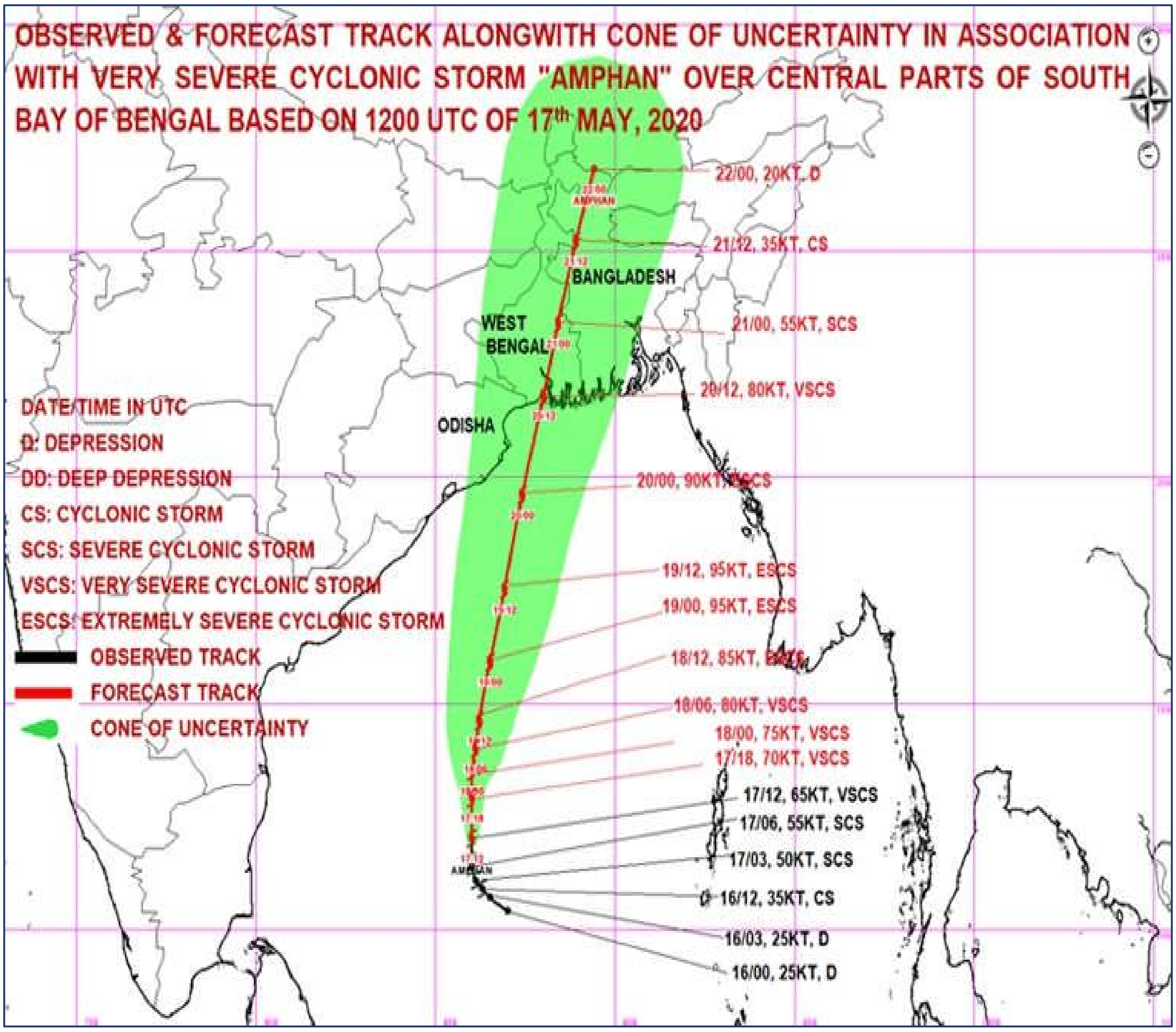

Source: IMD (https://mausam.imd.gov.in/)

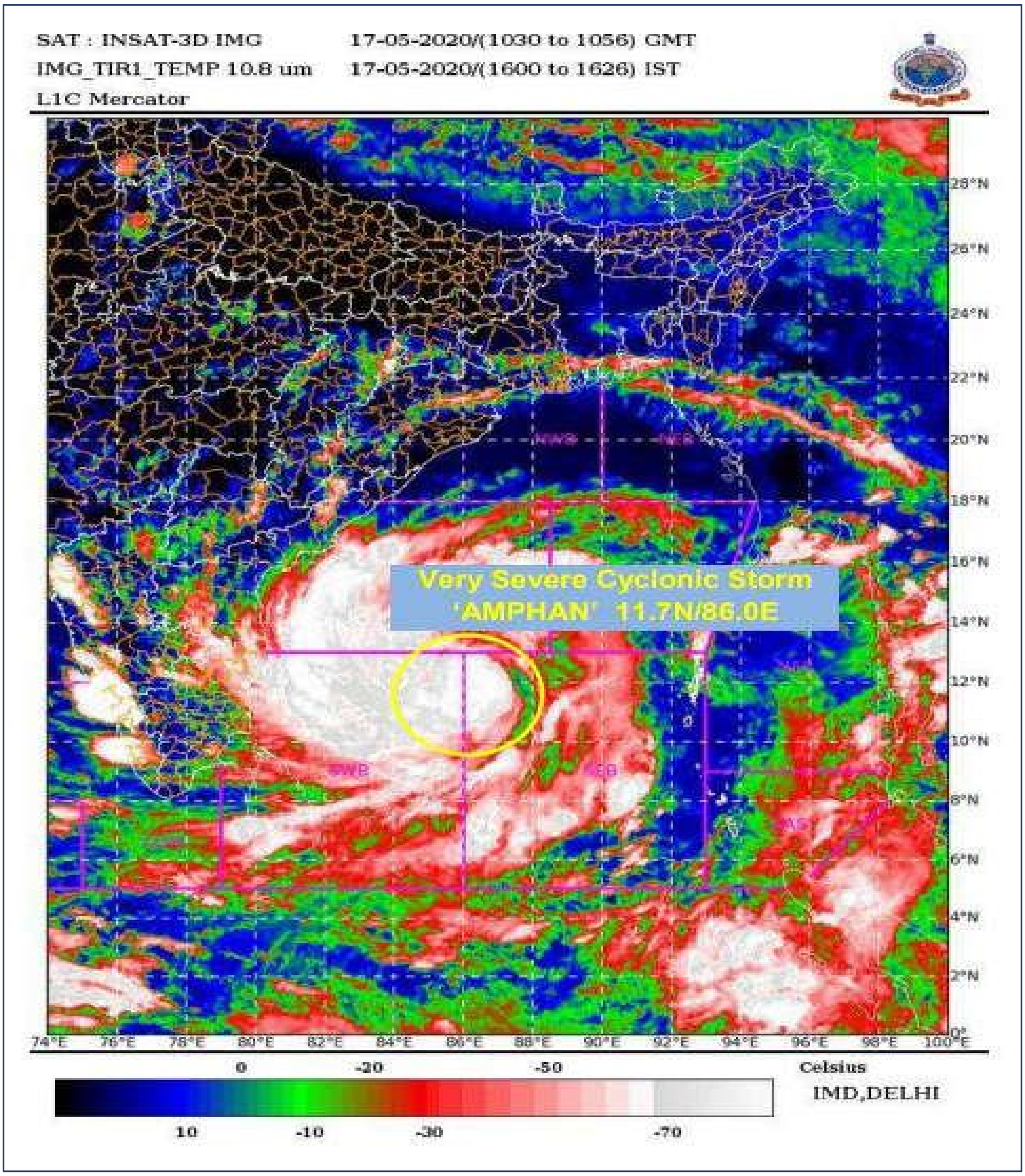

Source: IMD (https://mausam.imd.gov.in/)

Wish you all a healthy and safe stay

पटसन कृषकों के लिए “अमफ़ून” चक्रवात पर अपडेट और संबन्धित कृषि परामर्श

- भारतीय मौसम विभाग, भारत सरकार के अनुसार, “अमफ़ून” चक्रवात, एक बहुत तीव्र चक्रवाती तूफान के रूप में, 20 मई को सागर द्वीपों (पश्चिम बंगाल) और हातिया द्वीप समूह (बांग्लादेश) के बीच पश्चिम बंगाल - बांग्लादेश के तटों को दोपहर/शाम (दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे) के दौरान पार करने की संभावना है। हवा की गति 155-165 किमी प्रति घंटे रहने की संभावना है।
- यह चक्रवात मुख्य रूप से पटसन उगाये जाने वाले तीन राज्यों, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम को प्रभावित करेगा। ओडिशा में, सबसे अधिक प्रभावित जिले गजपति, गंजम, पुरी, खुर्दा, जाजपुर, नयागढ़, बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, मयूरभंज और कटक हैं। तटीय ओडिशा में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और कुछ स्थानों पर 18 मई को भारी वर्षा होने की संभावना है। वर्षा 20 मई तक जारी रहेगी। 18 से 20 मई तक, दक्षिण ओडिशा के साथ-साथ उत्तर ओडिशा तक तूफानी हवा रहने की संभावना है।
- भारतीय मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में, सबसे अधिक प्रभावित जिले उत्तर 24-परगना, दक्षिण 24-परगना, कोलकाता, पूर्व और पश्चिम मिदनापुर, हावड़ा और हुगली होंगे। 19 मई और 20 मई को, गांगेय पश्चिम बंगाल के इन तटीय जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है। पश्चिम बंगाल के तटों या अतटीय क्षेत्र में भी पवन की गति 155 किमी प्रति घंटे तक जा सकती है। इस तूफानी चक्रवात के कारण असम में 20 मई को भारी बारिश होने की संभावना रहेगी।
- बुवाई के समय के आधार पर, अभी पटसन फसल की अवधि 10-60 दिनों तक की हो सकती है। “अमफ़ून” चक्रवात के कारण होने वाली भारी वर्षा से पटसन खेत में जलभराव की स्थिति पैदा होगी। इसलिए वर्षा उपरांत, पटसन खेत से अतिरिक्त जल की निकासी के लिए,तुरंत, खेत में ढलान की ओर प्रत्येक 10 मी के अंतराल पर 20 सेंमी चौड़ी और 20 सेंमी गहरी नाली बनाने की व्यवस्था करनी पड़ेगी ।
- पटसन की फसल (> 4 फीट ऊंची) को, चक्रवात की तेज हवा से गिरने से बचाने के लिए, परिधीय पटसन के 4-5 पौधों (खेत के चारों ओर) को लगातार एक साथ बांधने की जरूरत है, इससे भीतर वाले पौधे भी नहीं गिरेंगे।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि वे **19-20** मई को दोपहर में मैदानी कार्य के लिए न जाएं और “अमफ़ून” चक्रवात के नवीनतम अपडेट के लिए टीवी /रेडियो या अन्य मीडिया से मौसम संबंधी समाचारों के ताज़ा जानकारी का पालन करें।

स्रोत: भारतीय मौसम विभाग (https://mausam.imd.gov.in/)

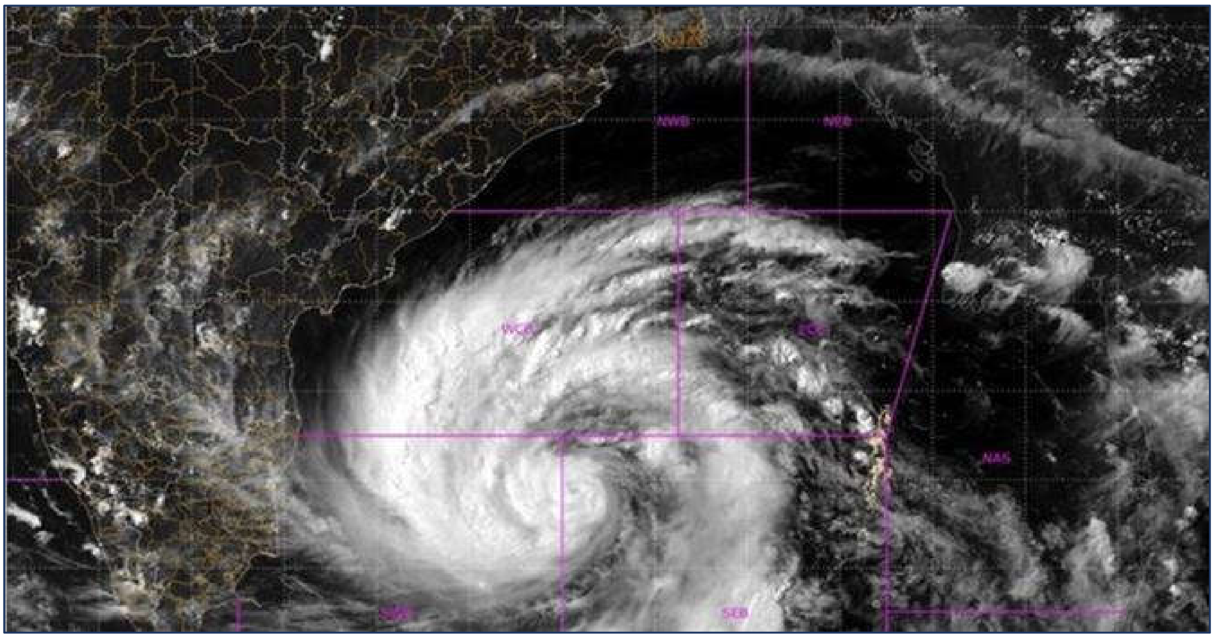

स्रोत: भारतीय मौसम विभाग (https://mausam.imd.gov.in/)

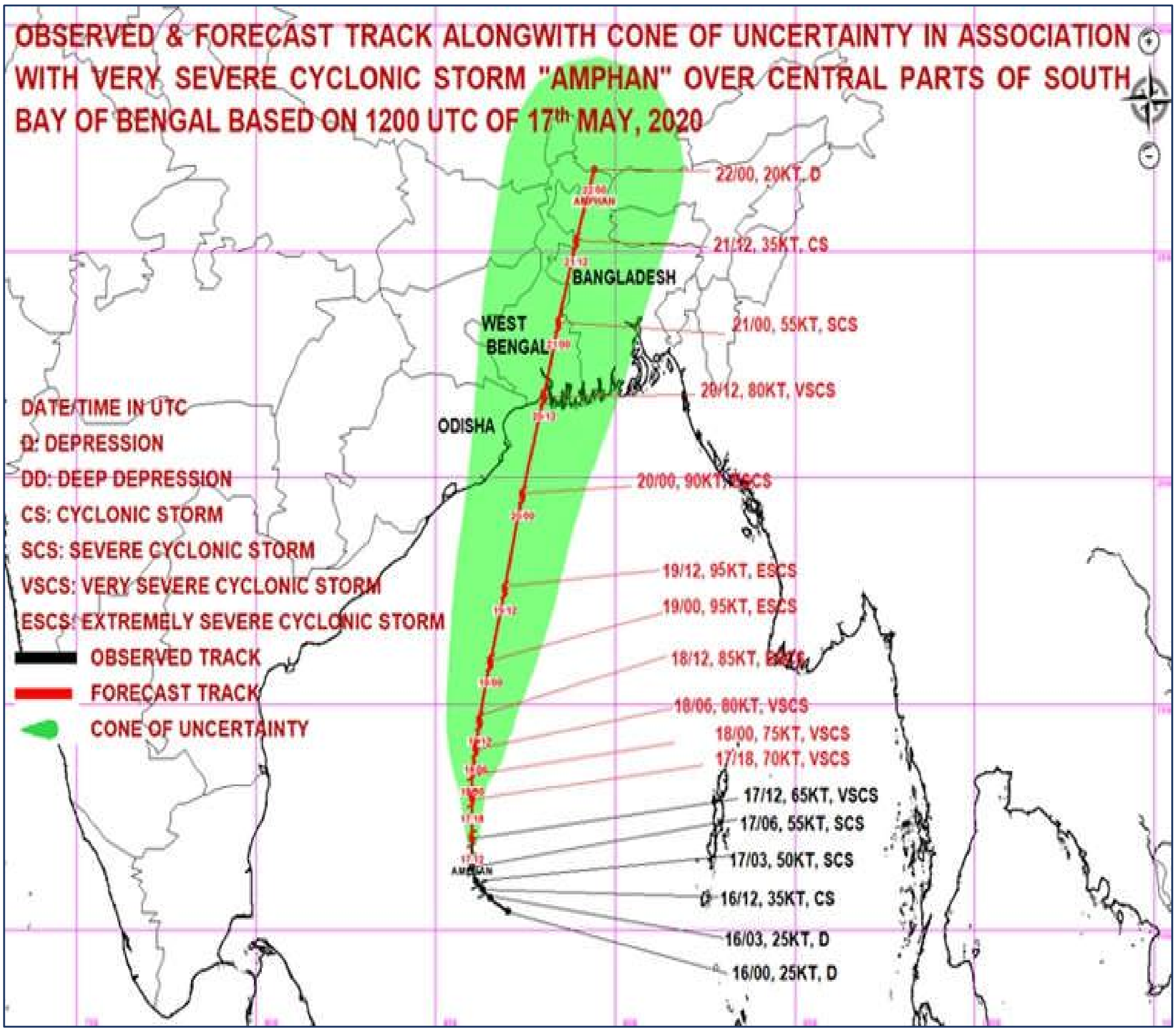

स्रोत: भारतीय मौसम विभाग (https://mausam.imd.gov.in/)

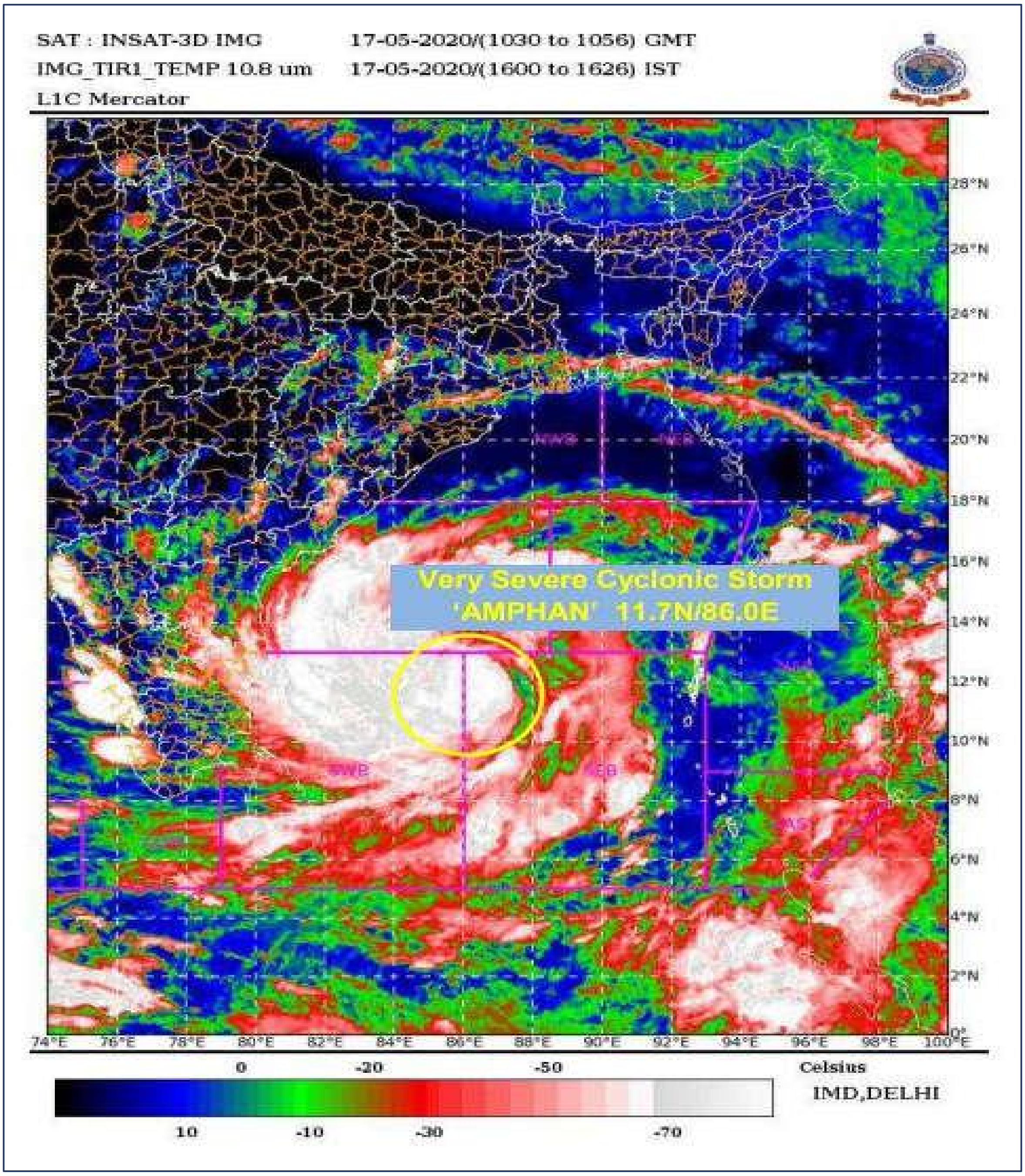

स्रोत: भारतीय मौसम विभाग (https://mausam.imd.gov.in/)

आपके स्वस्थ और सुरक्षित होने की कामना करते हैं

আমফান নামক ঘূর্ণিঝড় (সাইক্লোন) বিষয়ে সাম্প্রতিক তথ্য ও পাট চাষিদের জন্য এই পরিস্থিতিতে কৃষি পরামর্শ

- ভারত সরকারের আবহাওয়া বিজ্ঞান বিভাগের (IMD, Govt. of India, https://mausam.imd.gov.in) পূর্বানুমান অনুসারে, আগামী ২০ মে, ২০২০ (বুধবার) দুপুর ২:৩০ থেকে বিকেল ৫:০০ টার মধ্যে আমফান নামের ঘূর্ণিঝড় (সাইক্লোন) পশ্চিমবঙ্গের সাগরদ্বীপ ও বাংলাদেশের হাতিয়া দ্বীপের মাঝখান দিয়ে মারাত্বক ঘূর্ণিঝড় আকারে ঘন্টায় ১৫৫-১৬৫ কিলোমিটার গতিবেগে বয়ে যেতে পারে।
- এই ঘূর্ণিঝড় পশ্চিমবঙ্গ, উড়িষ্যা ও আসামের পাট চাষের জেলাগুলিতে বিশেষ প্রভাব ফেলার আশঙ্কা আছে। উড়িষ্যার - গজপতি, গঞ্জাম, পুরী, খুর্দা, জাজপুর, নয়াগড়, বালেশ্বর, ভদ্রক, কেন্দ্রপাড়া, জগৎসিংপুর, ময়ূরভঞ্জ ও কটক জেলাগুলি প্রভাবিত হবে। আগামী ১৮ থেকে ২০ মে, সমুদ্রতটীয় উড়িষ্যার অনেক জায়গায় হালকা থেকে মাঝারি বৃষ্টির সম্ভাবনা আছে। আর বিশেষ কিছু কিছু স্থানে অতিভারী বৃষ্টি হবার সম্ভাবনাও রয়েছে। এই সময়ে (১৮-২০ মে) এই অঞ্চলে দক্ষিণ থেকে উত্তর দিকে বেগে ঝোড়ো হাওয়া বইতে পারে।
- ভারত সরকারের আবহাওয়া বিজ্ঞান বিভাগের (IMD, Govt. of India) মতে এই ঘূর্ণিঝড়ে পশ্চিমবঙ্গের প্রভাবিত জেলাগুলি হলো - উত্তর ২৪ পরগনা, দক্ষিণ ২৪ পরগনা, কলকাতা, পূর্ব ও পশ্চিম মেদিনীপুর, হাওড়া এবং হুগলি। গাঙ্গেয় পশ্চিমবঙ্গের এই জেলাগুলিতে ১৯-২০ মে ভারী থেকে অতি ভারী বৃষ্টির পূর্বানুমান করা হচ্ছে। পশ্চিমবঙ্গের সমুদ্রোপকূলীয় অঞ্চলে এই ঝড়ের গতিবেগ ঘন্টায় ১৫৫ কিলোমিটার হবার সম্ভাবনা। এই ঘূর্ণির্ঝড়ের জন্য আসামেও ২০ মে পর্যন্ত অতি ভারী বৃষ্টির সম্ভাবনা আছে বলে বলা হয়েছে ।
- পাট লাগানোর দিন হিসাবে, বর্তমানে চাষিদের জমিতে পাটের বয়স ১০ থেকে ৬০ দিনের মধ্যে। আমফান ঘূর্ণিঝড়ের প্রভাবে প্রচুর বৃষ্টিপাত হলে পাটের জমি জলমগ্ন হয়ে পড়বে। তাই পাটের জমিতে স্বাভাবিক ঢাল বরাবর - ১০ মিটার দূরে দূরে, ২০ সেন্টিমিটার চওড়া ও ২০ সেন্টিমিটার গভীর নিকাশি নালি তৈরী করে, জমিতে জমা অতিরিক্ত জল নিষ্কাষণের ব্যবস্থা রাখতে হবে।
- যে সব চাষিদের পাটগাছ এখন ৪ (চার) ফুট বা তার বেশি লম্বা হয়ে গেছে, তারা জমির আলের ধারের পাটগাছগুলি ৪-৫ টি গাছ একসঙ্গে করে পর পর বেঁধে দিতে পারেন - ফলে ঝড়ের দাপটে পাটগাছ নুয়ে বা জমিতে শুয়ে পড়বে না এবং জমির ভিতরের দিকের পাট গাছগুলোকেও ভাঙতে দেবে না।
- চাষিদের ১৯-২০ মে তারিখে বিকালের দিকে জমিতে কৃষি কাজ করতে বা অন্য কারণে যেতে নিষেধ করা হচ্ছে এবং এই সময়ে রেডিও, টেলিভিশান এবং অন্যান্য সংবাদ মাধ্যমে প্রচারিত আমফান ঘূর্ণিঝড়ের সতর্কবার্তা মেনে চলার পরামর্শ দেওয়া হচ্ছে।

তথ্য সূত্র: ভারতীয় আবহাওয়া বিজ্ঞান বিভাগ (https://mausam.imd.gov.in/)

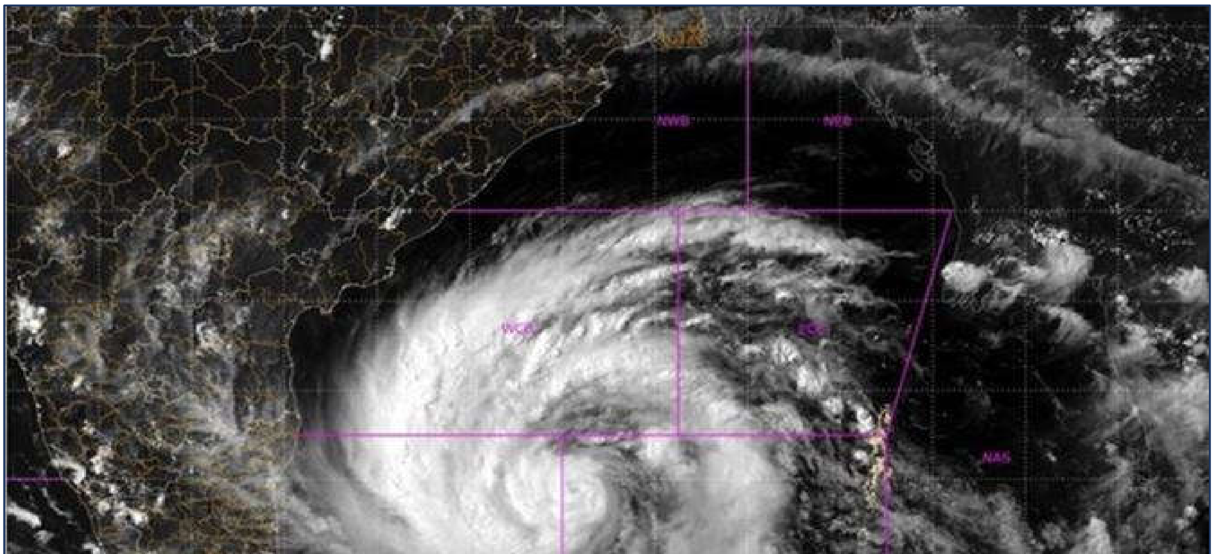

তথ্য সূত্র: ভারতীয় আবহাওয়া বিজ্ঞান বিভাগ (https://mausam.imd.gov.in/)

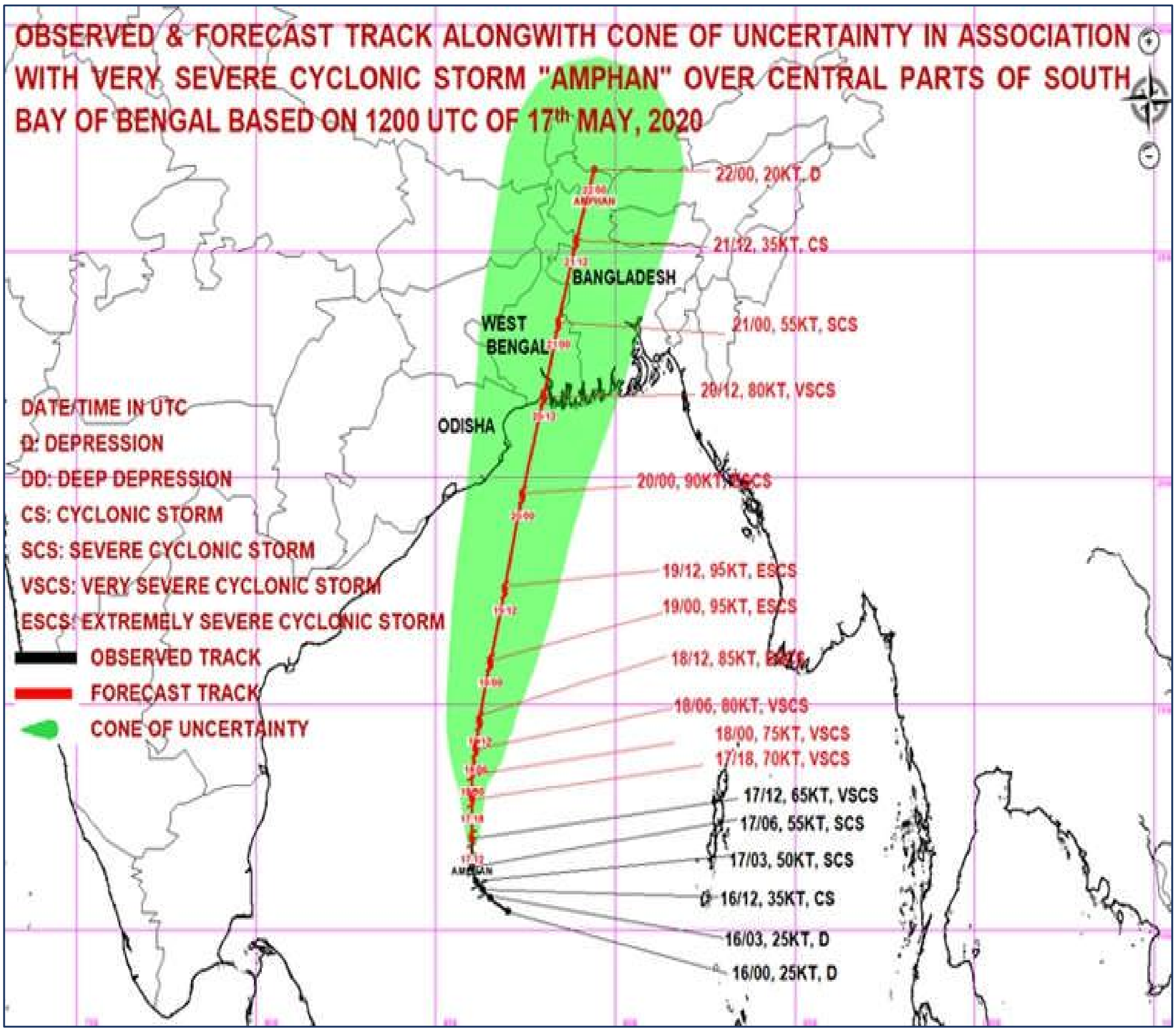

তথ্য সূত্র: ভারতীয় আবহাওয়া বিজ্ঞান বিভাগ (https://mausam.imd.gov.in/)

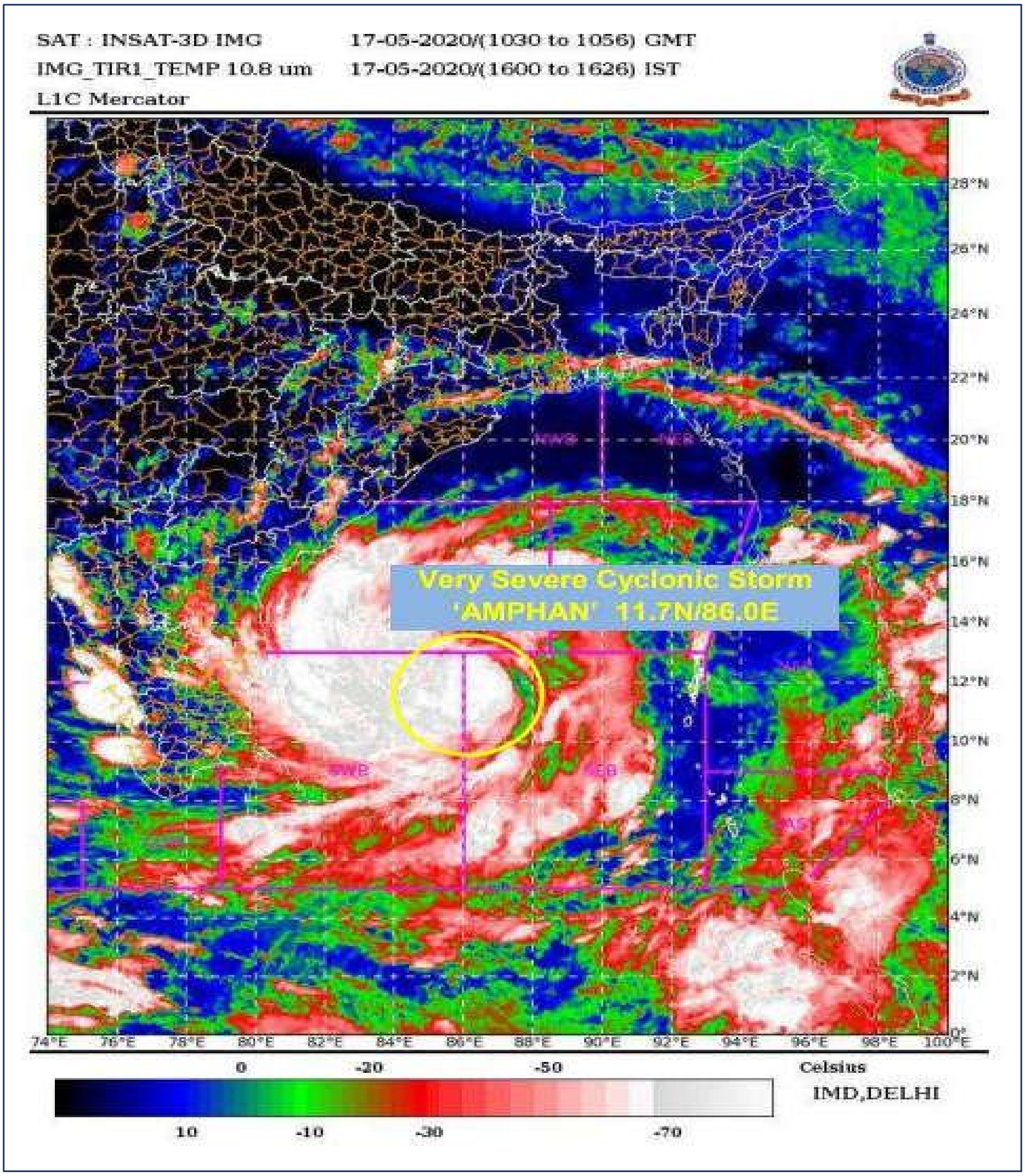

তথ্য সূত্র: ভারতীয় আবহাওয়া বিজ্ঞান বিভাগ (https://mausam.imd.gov.in/)

আপনারা সবাই সুস্থ্য ও নিরাপদ থাকুন, এই কামনা করি